पाठ 9: यशपाल (लखनवी अंदाज़)

प्रश्न 1: लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?

RBSE 2020

RBSE 2025

जब लेखक सेकंड क्लास के डिब्बे में चढ़े, तो नवाब साहब ने उन्हें देखकर असंतोष प्रकट किया। उनके चेहरे के भावों से ऐसा लगा मानो उनके एकांत चिंतन में किसी ने बाधा डाल दी हो। नवाब साहब ने लेखक से कोई बातचीत नहीं की और वे खिड़की से बाहर देखने का नाटक करने लगे। इन हाव-भावों और उदासी को देखकर लेखक को महसूस हुआ कि नवाब साहब बातचीत करने में बिल्कुल भी उत्सुक नहीं हैं।

प्रश्न 2: नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा?

RBSE 2022

Most Important

नवाब साहब ने ऐसा केवल **अपनी 'नवाबी शान' (अमीरी) का दिखावा** करने के लिए किया। जब लेखक ने खीरा खाने से मना कर दिया, तो नवाब साहब को लगा कि एक साधारण व्यक्ति (लेखक) के सामने वे एक तुच्छ चीज़ (खीरा) कैसे खा सकते हैं? अपनी रईसी और खानदानी शान को ऊँचा दिखाने के लिए उन्होंने खीरे को खाने के बजाय केवल सूँघा और बाहर फेंक दिया, ताकि लेखक को लगे कि नवाब लोग खीरा खाते नहीं, बल्कि सूँघकर ही उनका पेट भर जाता है।

प्रश्न 3: 'बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है?' यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?

RBSE 2024

हम लेखक यशपाल के इस विचार से **पूर्णतः सहमत नहीं हैं**। लेखक ने यह कथन व्यंग्य के रूप में कहा है। वास्तव में, बिना विचार, घटना और पात्रों के कोई कहानी नहीं लिखी जा सकती। कहानी का मूल आधार ही कोई न कोई 'घटना' या 'पात्र' होते हैं। जिस प्रकार नवाब साहब का बिना खीरा खाए पेट भरना केवल एक दिखावा था, उसी प्रकार बिना तत्त्वों के कहानी रचना भी असंभव और दिखावा है।

प्रश्न 4: लखनवी अंदाज़ पाठ के आधार पर पतनशील सामंती वर्ग पर टिप्पणी कीजिए।

RBSE 2023

RBSE 2026

'पतनशील सामंती वर्ग' उन लोगों को कहा जाता है जिनका ज़माना (नवाबी) ख़त्म हो चुका है, लेकिन वे आज भी झूठी शान और दिखावे में जीते हैं। पाठ में नवाब साहब इसी वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे लोग वास्तविकता (Reality) से दूर भागते हैं और समाज में अपनी झूठी इज़्ज़त बनाए रखने के लिए अजीबोगरीब और हास्यास्पद (हँसने योग्य) हरकतें करते हैं, जैसे खीरे को सूँघकर फेंक देना।

Schorbit